

मानसिक प्रक्रिया जिसमें सीखना, धारण करना, प्रत्य विज्ञान तथा पुनःस्मरण सम्मिलित है। घटनाओं और अनुभवों को याद रखने की क्षमता 7. काव्य के प्रयोग में इसे एक पूर्वाग के अंदर एक काम की दशा के रूप में किसी अन्य सदृश वस्तु को देखकर प्रिय/प्रिया अथवा उसकी किसी सदृश वस्तु का स्मरण हो जाना 8. एक संचारी भाव, सदृश वस्तु के दर्शन अथवा चिंतन आदि से पूर्वानुभूत वस्तु का स्मरण जिसका संबंध किसी स्थायी भाव से हो 9. स्मरण नामक एक अर्थालंकार।

स्मृति उपायन पुं. (तत्.) स्मारिका (पदार्थ या पुस्तिका)।

स्मृतिकार पुं. (तत्.) किसी स्मृति ग्रंथ का रचयिता।

स्मृतिकारक पुं. (तत्.) ऐसा ओषध जिसके सेवन से स्मरण शक्ति तीव्र होती हो।

स्मृतिचित्र पुं. (तत्.) किसी व्यक्ति/घटना/दृश्य आदि का सामान्य स्मृति के आधार पर बनाया गया चित्र।

स्मृतिचिह्न पुं. (तत्.) निशानी, यादगार 2. स्मारक।

स्मृतिपत्र पुं. (तत्.) 1. स्मरण करने की सुविधा के लिए लिखे गए किसी पुस्तक/भाषण/प्रवचन आदि की कुछ टिप्पणियों, वाक्यों या शब्दों का कागज 2. भविष्य में देखने के लिए घटनाओं का विवरण या विवरण युक्त कागज 3. जापक पत्र, स्मरण पत्र।

स्मृतिप्रबंध पुं. (तत्.) स्मृतिग्रंथ संबंधी ग्रंथ।

स्मृति बिंब पुं. (तत्.) मनो. वस्तु की अनुपस्थिति में उससे संबंधित अनुभूति की मानसिक चित्रों के रूप में पुनर्जागृति memory image

स्मृतिभ्रंश/स्मृतिलोप पुं. (तत्.) 1. स्मरण शक्ति का लोप 2. एक शारीरिक रोग/दोष, किसी भी कारण से स्मरण शक्ति का आंशिक या पूर्णतः अभाव 3. रोग या आघात आदि के कारण अपने जीवन की बीती घटनाओं को याद न कर पाना।

स्मृतिरोध पुं. (तत्.) स्मरणशक्ति का नाश, स्मरणभ्रंश, स्मृतिलोप।

स्मृतिविकार पुं. (तत्.) (मनो.) 1. स्मरण शक्ति की गड़बड़ 2. एक रोग, किसी वस्तु की गलत पहचान, मिथ्या स्मृति।

स्मृति विभ्रंश पुं. (तत्.) स्मरण शक्ति की अवस्था।

स्मृति विरोध पुं. (तत्.) दो धर्मशास्त्रीय स्मृति-वाक्यों में परस्पर विरोध।

स्मृतिशास्त्र पुं. (तत्.) स्मृति नाम का धर्मशास्त्र।

स्मृति-साध्य वि. (तत्.) जो स्मृतिशास्त्र से सिद्ध किया जा सके।

स्मृति शेष वि. (तत्.) जिसकी केवल स्मृति रह गई हो, शरीर नहीं, मरा हुआ, मृत, दिवंगत पुं. 1. किसी बहुत पुरानी चीज का वह थोड़ा सा टूटा-फूटा और बचा हुआ अंश, जो उस चीज का स्मरण कराता हो, अवशेष 2. किसी प्राचीन वस्तु-रचना (भवन, मंदिर, दुर्ग आदि) का भग्नावशेष, खंडहर।

स्मृति शैथिल्य पुं. (तत्.) स्मरणशक्ति की शिथिलता, याददाश्त का ढीलापन।

स्मृति हेतु पुं. (तत्.) स्मरण होने/रखने/करने का कारण।

स्मृत्यर्थ वि. (तत्.) 1. स्मरण के लिए, स्मरणार्थ 2. स्मृति के लिए जैसे- देश के शहीदों के स्मृत्यर्थ कार्यक्रम करना।

स्मृत्युक्त वि. (तत्.) स्मृतियों में वर्णित/कथित।

स्यंद पुं. (तत्.) स्यंदन।

स्यंदन पुं. (तत्.) 1. किसी तरल पदार्थ का रिसना, टपकना, बहना या चूना 2. गलकर तरल होना 3. शरीर से पसीना निकलना 4. चलना या जाना 5. वायु, हवा 6. एक प्रकार का मंत्र, जिससे अस्त्र मंत्रित किए जाते थे 7. तिनिश वृक्ष 8. चंद्रमा 9. चित्र, तस्वीर 10. गत उत्सर्पिणी के 23 वें अर्हत का नाम (जैन) 11. रथ उदा. जेहि जय होइ सो स्यंदन आना-तुलसी।